

स्वदेशी अर्थशास्त्रम्

SWADESHI ARTHSHASTRAM

A FORTNIGHTLY NEWSLETTER 16th to 31st December, 2025



Economics & more...



Special Article

From Passivity to Power: Reviving Vivekananda's Vision of Shakti as the Foundation of Bharatiya Moral Life

– Anushka Verma

This paper explores Swami Vivekananda's idea of Shakti as an ethical principle of strength that can guide individual and collective moral life in contemporary Bharat. The central objective is to examine how Vivekananda's emphasis on inner power, summed up in his words, "Strength is life, weakness is death", can serve as a foundation for moral renewal based on Atmashraddha and Seva.. Rather than treating Shakti as a metaphysical or devotional concept, the paper interprets it as a moral force that transforms courage, discipline and service into practical values for everyday life.

The paper is structured in three parts. The first section outlines Vivekananda's understanding of Shakti and its roots in Vedantic humanism. The second discusses how this ideal of strength reshapes moral virtues such as self-reliance, fearlessness and compassion.

[Read More...](#)

News at a glance...

India Oman FTA Signed: India gets zero-duty access to Oman, liberal mobility for professionals

[Read more...](#)

India's marine exports rise 16% in Apr-Nov despite US tariff

[Read more...](#)

India's telecom exports jump 72% in 5 years: Jyotiraditya Scindi

[Read more...](#)

India's exports to US show partial recovery by Nov, gems and jewellery rebound to \$406.2 million

[Read more...](#)

Biogas sector likely to see investments of over Rs 5,000 cr in 2026-27: IBA

[Read more...](#)

Feasible to meet 4.4% fiscal deficit target for FY26

[Read more...](#)

Natural gas import bill down 12%

[Read more...](#)

Research Article

The Indo-Russian Agreement

- Naman Kashyap

The Indo-Russian agreement for 100% Transfer of Technology (ToT) of the RD-191M semi-cryogenic engine represents a decisive propulsion upgrade that can shorten India's path to true heavy-lift, reusable launchers and human-rated systems by several years, if not a full decade. It combines diplomatic risk-taking, industrial up-skilling, and technological leapfrogging in a way that reshapes ISRO's role in commercial, strategic, and exploratory space missions

[Read More...](#)

More Updates

India, New Zealand to deepen ties in financial services

[Read more...](#)

Govt rolls out schemes under edible oils mission

[Read more...](#)

Bond Yields: 10-year G-Sec rally to 6.55%

[Read more...](#)

Overall exports to grow 3% in 2025-26 amid external headwinds: GTRI

[Read more...](#)

Petroleum products exports down 8% to \$26.6 billion in April-November

[Read more...](#)

सफलता की कहानी

सरोजिनी पाणिग्रही - सरोज इंडस्ट्रीज : हिम्मत की बेहतरीन मिसाल



दुर्ग में रहने वाली सरोजिनी पानीग्रही जी सभी महिलाओं के लिए ही नहीं वरन् देश के सभी नागरिकों के लिए एक मिसाल है। उन्हें कई पुरस्कारों जैसे की छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की तरफ से चैंबर गौरव सम्मान, उत्कृष्ट महिला उद्यमी के रूप में राज्यपाल सम्मान, बैंक ऑफ़ बड़ोदा हरिभूमि एवं अन्य कई संस्थाओं द्वारा नवाजा जा चुका है। यूं तो सरोज इंडस्ट्रीज 2002 में उनके पति स्वर्गीय नारायण पानीग्रही द्वारा स्थापित की गई थी। सरोज इंडस्ट्रीज एक मैकेनिक फैब्रिकेशन यूनिट है जो कि उन मशीनों का निर्माण करती है जिनकी मदद से रेलवे (रेलगाड़ी एवं पटरी) के पार्ट्स बनाए जाते हैं। पर ईश्वर को कुछ और ही मंजूर था। 2007 में वह सभी कार से जगन्नाथ पुरी घूमने गए थे और वापसी के दौरान उनकी कार का भारी एक्सीडेंट हो गया जिसकी वजह से उनके पति की मृत्यु हो गई। अंधेरे पर हाईवे में भी उन्होंने उस स्थिति को बखूबी संभाला।

2007 में वह सभी कार से जगन्नाथ पुरी घूमने गए थे और वापसी के दौरान उनकी कार का भारी एक्सीडेंट हो गया जिसकी वजह से उनके पति की मृत्यु हो गई। अंधेरे पर हाईवे में भी उन्होंने उस स्थिति को बखूबी संभाला। यूं तो वह इंश्योरेंस का कार्य शुरू से ही करती थी। परंतु मैकेनिकल इंडस्ट्रीज का कार्य के उनके लिए बिल्कुल नया था। उस समय उस कार्य को महिलाओं के लिए उपयुक्त भी नहीं माना जाता था। परंतु उपयुक्त - अनउपयुक्त सोचने की बजाय उनके लिए उनके बच्चों की परवरिश अधिक मायने रखती थी और उन्होंने अपने पति द्वारा स्थापित की हुई सरोज इंडस्ट्रीज को ज्वाइन कर लिया। शुरू-शुरू में उन्हें बहुत दिक्कतें आईं। ऑर्डर लेना और माल को बनाकर इंडस्ट्रीज तक पहुंचाना उनके लिए दो बच्चों के साथ बहुत बड़ी जिम्मेदारी थी पर उन्होंने हिम्मत नहीं हारी।

उनकी कड़ी मेहनत रंग लाई और 2012 में बदलती हुई टेक्नोलॉजी के साथ उन्होंने अपने बिजनेस का एक्सपान्शन करते हुए एक और यूनिट की स्थापना की। आज वह अपने शहर की जानी-मानी उद्योगपति है एवं कई बड़ी कंपनियों जैसे कि टेक्नो रेल कोलकाता, निकोजायसवाल, बी. के. को सप्लाई कर रही हैं। इन सबके अलावा वह समाज के लिए कई दायित्व जैसे की छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महिला विंग की प्रेसिडेंट, लघुउद्योग भारती, भिलाई की महिला प्रमुख एवं स्वावलंबी भारत अभियान दुर्ग की महिला प्रमुख को निभा रही हैं।

SSS EVENT

Empowering Research through AI



Swadeshi Shodh Sansthan successfully organized an AI Workshop on “Developing AI and Digital Skills for Effective Research” on 13th December 2025 at the SSS Conference Hall, New Delhi. Led by Dr. Deepak Bishla, ICT Head at Dr. B.R. Ambedkar University Delhi, the session offered valuable insights into the transformative role of AI tools and digital literacy in enhancing academic research.



स्वदेशी विचार

Cent percent Swadeshi gives sufficient scope for the most insatiable ambition for service and a satisfaction of every kind of talent.

~ Mahatma Gandhi

Our Social Media:



Editorial Board

Chief Editor : Prof. Raj K Mittal

Editor : Prof. Sunita Bharatwal

Co-Editor : Dr. Shabana

Section Editor : Ms. Urshita Bansal

Technical & Design : Mr. Naman Kashyap